राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर
राजस्थान में पशु रोग पूर्वानुमान
मई, 2018

वर्ष 15 **अंक 5**

प्रिय पशुपालक भाईयों, पशु चिकित्सकगण एवं पशु पालन विकास से जुड़े समस्त अधिकारी, कर्मचारीगण –

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि अप्रैल, 2004 से राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर के अन्तर्गत पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, बीकानेर के वैज्ञानिक उपलब्ध पूर्व आँकड़ों के आधार पर मौसम आधारित पशु रोग पूर्वानुमान लगातार घोषित कर रहे हैं। इस कड़ी में पशु रोग पूर्वानुमान मई, 2018 हेतु प्रस्तुत है।

मई माह के लिए निर्दिष्ट सावधानियां–

1. इस माह गर्मी अपनी तीव्रता पर रहेगी, अतः पशु तापघात की समस्या व निर्जलीकरण से प्रभावित हो सकते हैं। पशु पालकों को चाहिये कि पशुओं को अत्याधिक तापक्रम, धूप व लू से बचाने के उपाय करें व पर्याप्त मात्रा में साफ व ठण्डा पानी उपलब्ध करायें।
2. भार ढोने वाले पशुओं की विशेष देखभाल करें व उन्हें दोपहर से शाम धूप रहने तक छाया एवं हवादार स्थान पर आराम करावें। स्वच्छ व ठंडे पीने के पानी का उचित इंतजाम करें ताकि उन्हें निर्जलीकरण से बचाया जा सके।
3. मई माह में हरे चारे की कमी से पोषक तत्वों की कमी होती है और विशेषकर अधिक उत्पादन देने वाले पशु प्रभावित हो जाते हैं।
4. पोषक तत्वों व लवणों की कमी से पशु अखाद्य वस्तुओं का खाने या चबाने लगता है। अतः ग्रामवासी सामुदायिक प्रयासों से मृत पशु, हड्डी, चमड़ा, कंकाल आदि चारागाह के रास्तों व पशुओं की पहुँच से अत्याधिक दूर निस्तारित करें। ऐसे स्थानों की तारबंदी/बाडबंदी करके भी पशुओं को सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे पशुओं को "बोटूलिज्म" नामक रोग से भी सुरक्षित रखा जा सकता है जो कि मृत शरीर के अवशेषों को खाने से होता है।
5. हरा चारा उपलब्ध न होने की वजह से पशुओं में विटामिन 'ए' की कमी हो सकती है जिससे गर्भित पशुओं से पैदा होने वाले नवजात अंधे पैदा हो सकते हैं। इससे बचाव के लिए गर्भित पशु तथा नवजात को विटामिन 'ए' के टीके लगवाएं।
6. गर्मी में दूध उत्पादन में काफी कमी आती है अतः पशु पालकों को चाहिये कि पशुओं को अत्याधिक वातावरणीय तापमान व लू से बचायें, उचित मात्रा में लवण खिलायें, स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध करायें और आवश्यक पोषक तत्व बांटे के साथ खिलायें।
7. खुरपका–मुंहपका, गलघोंटू, फडकिया, ठप्पा रोग, पी.पी.आर. रोग आदि के टीके यदि नहीं लगवाए हैं तो, अभी भी लगवा लें।

सर्वाधिक सम्भावित पशु रोग पूर्वानुमान–मई, 2018

पशु रोग	पशु प्रकार	क्षेत्र
मुँहपका एवं खुरपका रोग	गाय, भैंस, बकरी, भेड़	भरतपुर, दौसा, बाँसवाड़ा, श्रीगंगानगर, जयपुर, झुंझुनू, सवाई–माधोपुर, धौलपुर, चूरू, अजमेर, बीकानेर, हनुमानगढ़, अलवर
पी.पी.आर. रोग	बकरी	सवाई–माधोपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, पाली, सिरोही, जयपुर, चूरू
गलघोंटू (इन दिनों वर्षा के साथ)	भैंस, गाय	अलवर, धौलपुर, जयपुर, सवाई–माधोपुर, भीलवाड़ा, सीकर, चित्तौड़गढ़, राजसमन्द, पाली, बून्दी, झुंझुनू, टोंक, हनुमानगढ़, कोटा, बारां
ठप्पा रोग	गाय, भैंस	जयपुर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जैसलमेर, राजसमन्द, पाली, चित्तौडगढ, सीकऱ
बॉटूलिज्म	गाय	जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर
न्यूमोनिक पास्चुरेलोसिस	गाय, भैंस, भेड़, बकरी	अलवर, टोंक, जयपुर, बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, जालौर
फड़किया रोग	भेड़, बकरी	सवाई–माधोपुर, बाँसवाड़ा, जयपुर, बीकानेर, कोटा, श्रीगंगानगर, धौलपुर, हनुमानगढ़, भीलवाड़ा, बारां
सर्रा रोग	भैंस, ऊँट	धौलपुर, बाँसवाड़ा, हनुमानगढ़, बून्दी, अनूपगढ़, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, भरतपुर, सीकर
अन्तः परजीवी– गोलकृमि, पर्णकृमि	गाय, भैंस, भेड़, बकरी,	बून्दी, चित्तौडगढ़, बाँसवाड़ा, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, श्रीगंगानगर, बारां, हनुमानगढ
खुजली	ऊँट, भेड़, बकरी	झुंझुनू, बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर, टोंक, जयपुर, अलवर, बाड़मेर
रानीखेत रोग	मुर्गियां	अजमेर, जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, अलवर, कोटा
इन्फेक्शियस ब्रोंकाइटिस	मुर्गियां	अजमेर, जयपुर, श्रीगंगानगर, बीकानेर, अलवर, कोटा
तापघात व निर्जलीकरण	सभी पशु–पक्षी	समस्त राजस्थान

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें – प्रो. त्रिभुवन शर्मा, अधिष्ठाता, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर, डॉ. ए.के. कटारिया, प्रभारी अधिकारी, एपेक्स सेन्टर, राजुवास एवं डॉ. अन्जु चाहर, विभागाध्यक्ष, जनपादकीय रोग विज्ञान एवं निवारक पशु औषध विज्ञान विभाग, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर । फोन– 0151–2543419, 2544243, 2201183, टोल फ्री नम्बर 18001806224

मुद्रित सामग्री भारत सरकार की सेवार्थ बुक पोस्ट
अंक 15 (5) 2018

सेवा में

.....

.....

.....

प्रेषक –
जन सम्पर्क प्रकोष्ठ
राजस्थान पशुचिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर–334 001
Phone: 0151-2200805, Fax: 0151-2200805, E-mail: prcrajuvas@gmail.com
Website: www.rajuvas.org